

2783

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

171

श्रीनितनाथयनमः॥ * ॥ नागा॥ असुति॥ नलं
ना॥ ऊगनऊननिआदिनातानडासिवऊऊगिनि
॥ ध॥ १ ॥ शिवायनऊलऊनातबलाकसंधनि
चउनरूऊवर्गपनविन्दुवांसिनि॥ ऊगा॥ २ ॥ नग
मडेगकथिधालिंतानावर्थरूषिनिनदसिन
नालागऊवऊधालिनि॥ ऊगा॥ ३ ॥ अरूनावा
दिनिऊगिनिगनमंदलिदहिनिसिद्धिनिठ्यवाम
व्याधिनिठ्यसाहिता॥ ऊगा॥ ४ ॥ रूवरूयहासिनि
सर्वरूयहासिनिसर्वरूयनासिनिनागसावसंता
पसवनरूवनासिनि॥ ऊगा॥ ५ ॥ चवनसवनरू

महं मां मृगति मृगं दाहिनि जैन्य काति पाप चैलि
धिसिधिरायनी ॥ जग ॥ ३ ॥ रूपतिथी नाकिं ड
विनविबुधमसाहं बहन्त कथी कलिगुविजुद विव
नन सनन ड महं मी ॥ जग ॥ १ ॥ १ नाग जू स ड
ति कालचा ॥ गुन पातिना मनं स साला न न सु
इनाल ऊ सनं मनि मा ना कि सान विगनं विनी सन
चिचनन सनन ॥ १ ॥ किल किया खानि नं जूति
व्यहाद नं विगहि ति सननं स धु रूप न क नं वि
ग ॥ २ ॥ ग नाच क पा न नं वृग दं न ना सन ॥ चै ड मा
या वननं सन ऊ या न ड नं वृग ॥ ३ ॥ निधि सिधि

उपपन्न

२० नमो नमो ॥

कालनैवाहानतिचुनसनीविडाकितद्वसनमन
नथपुननीविग॥ ४ ॥ निपालयाचुननीप्रिथिता
नायननैगजवसिंहनैगातनकायाडानीविगनवि
तासनचिचननसनन॥ ५ ॥ १२ नागव्याचलि॥
तालखुजति॥ नमानिकुयैकुयैआदिगनपातिक
नजसिधिरुलदयक॥ धूउत॥ ॥ संधन
नयनमुकृतमनिमयनागहवनठधहिता॥ प्रस
मादकापाशठधहिबिगननाऊविज्याक॥ नमासि
॥ १ ॥ ३ यतसनैदेकासूनजकातिकुतिनागह
खनठधहिती॥ नाजिंडविकमसाहदवकसैसाल

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

प्रतिपालकानकनमामिऊर्य ॥ २ ॥ * ॥ १ ॥ नागव्याडु
लितालयकत ॥ अऊषडागिवागैवपहनागलना
गवताडावुधवयलयनअसुउमनडागिसिंधिना
थवडाडा ॥ दयादेउमनादयानडागिहमनडुउम
नमआय ॥ १ ॥ अंगविहकिगनरूडमालासिनप
नगीगावधडाअऊगुतिनूपअऊवडागिहमायागव
पालदनाडादयादेउमनादयानडागिहमायाडुउम
:नमआया ॥ २ ॥ कावनथालतनिमातिकमानिले
ऊअसुदानपहुचा:याहिकुललहाअऊवडागि
काहधुनिऊलाडादया ॥ ३ ॥ देखहामाठठुमा

त्रिकन ठठयान ठठ ना पल ख प ध लि द स न दा स क ह
 प ह ह नि गु न गा डा द न स न का सु ख पा या द या द ना द
 ॥ ४ ॥ ॥ १ ॥ रा ग ध्या च लि ता ल ल ना ॥ अति नृ प सं ध
 व स नृ प वा ला का हा ठ ठ इ म च लि ॥ १ ॥ ध ३ म ॥ ॥
 अ ग म प ध किं अंत न पा ठ ठ का का हा ठ ठ इ न च नि
 आ ठ ठ थ कि त ह य हा स ध न वा ला इ म का ना ग न
 आ यी ॥ अति नृ प ॥ १ ॥ ऊ नि द हा ना गि नि कि न हि
 मा ग न आ यी त ना द न ह म न हि ले ना अ डा न का ऊ
 म आ यी ॥ अति नृ प ॥ २ ॥ को न उ मा वा ऊ न म ह नि
 को न उ मा वा मा ठ ठ को न उ मा वा जा ता वं सि को न

अति नृ प सं ध

काकुमजाठ्ठा। अतिरूप॥ ३॥ एगकुलहमा नाऊ
वमहमिजग्यदाहमा नामाठ्ठा जीताहमा नाद
आवसिकमनागवनआठ्ठा अतिरूप॥ ४॥ मनकम
नावहुहआठ्ठा बहुनिलियायनजाठ्ठा हमकुदि
के हाउपदसवनावहुनिलिययनजाठ्ठा अतिर
॥ ५॥ मनकमलाकउनकाऊकोनकामनाठ्ठा अ
सुत्रिऊठाकतकंससिनककमनाचाठ्ठा अतिरूप॥
॥ ६॥ बहगतलयनकनवीलानागकहजुनिमजाठ्ठा
ऊवनागनाऊकउकिनहमगाचलनउमकाहाया
ठ्ठा अतिरूप॥ ७॥ अनिवावनागिनिहमनअंग

नपाठुतहहमसुखिलकोनहामकुखाठु अति
नृप॥ ८ ॥ विनातिकनाहासुधनवालाउमानापाउ
समा॥ ८८॥ सिनकाकमनाताभनलियतानागमाहि
जाठु॥ अतिनृपि॥ ९॥ माहिजामाजानदहाहम
ककुमसहनाठुकात्रिनागमाहिजानाहमकुक्या
सहनाठुकात्रिनागमाहिजानाहमकुक्यावहु
नाठु॥ अतिनृप॥ १० ॥ किउमजानिनागजानिना
गजानिनागकदउथठुउथउथनागनाजाकाल
पूलएकजाठु॥ अतिनृप॥ ११ ॥ ससुसुससुसुसु
धनवानाससुसुसुननाठुससुसुसुननाठु गमि

शुक्रानिनागखाण्ड॥ अतिनृप॥ १२॥ नंदजसूयना
 तावलवडसवतनताण्ड्यकसमूहं सुमिमिह
 गन्धविनवाताण्ड॥ अतिनृप॥ १३॥ आच्छविनग
 नुधजापाक-यानानागनाण्डखलवलकुक्कुनहि
 खनादिनेमिगखाण्ड॥ अतिनृप॥ १४॥ नगद
 विकल्पकंसपुकयाकसनं नगमात्रिकंसखाप
 मथुनासूखनधात्रि॥ १५॥ ॥ १॥ नागव्याचत्रि॥
 तालप्रता॥ विखसितनाकुमा॥ ननंगरुमिसवा॥
 हविकसितनाकुमा॥ ननंगरुमिसवाधीनिकना
 थ॥ मरुठवनदवा॥ ॥ रुजंगमरुनिमानिरुखा॥

२ विखसित॥

२५२१

३३३

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

कृष्णः। सितरत्नविधुष्यति कृष्णः॥ ताल
सिन्धुगधुनित्रससविनाः॥ तनवनवाहाडुनक
विकूलनाः कृष्णनिर्नाथम॥ ॥ १ ॥ गवाहाडु
नि॥ तालवज्रति॥ अथिन्नधसनिर्नाथनिर्दा
नसर्पागपनउपकारे॥ धृ० ॥ ॥ अतिरुनख
नदयाः अनेसनथः अहिरवायाः॥ अंनउमंन
सक्तिताः अनेनसअनेगवधनठवयाः॥ अ
थि॥ १ ॥ अतिरुः अविनरुसवलहिनसत्रिन्न
नितिरुन्याः॥ बालखगवनपायावेधनपा
नमलेनित्यवान॥ अथि॥ २ ॥ खन्याः अनेन

लिकनऊउहनकंककुविनहदहनमाहिनिनडुंडुन
॥ १ ॥ धिनऊकनतडुमपिहवनपथपनलेविदखा
उ॥ सुनननकिनननागनदानव००नपियापचान
डुंडुन॥ २ ॥ ००नमनाहिमिनिपितामहसषरुना
खज्जालनकोहि॥ चिगलेखासाधिदोनवतिमाने
जधुकलमसबलेषानेडुंडुन॥ ३ ॥ ऊधुकलमास
वदखतकमानिजमिलुधदखिसनमा००॥ रूप
मडुकमानिनाऊप्रकासनतिपातिसुथहमजानि
डुंडुन॥ ४ ॥ नागकाना ॥ ॥ दविगतिनजुतिला
आऊतसर्वइमाधिकनसनपुवनहुनजुपुनपत्र

1512-1513-1514-1515-1516-1517-1518-1519-1520-1521-1522-1523-1524-1525-1526-1527-1528-1529-1530-1531-1532-1533-1534-1535-1536-1537-1538-1539-1540-1541-1542-1543-1544-1545-1546-1547-1548-1549-1550-1551-1552-1553-1554-1555-1556-1557-1558-1559-1560-1561-1562-1563-1564-1565-1566-1567-1568-1569-1570-1571-1572-1573-1574-1575-1576-1577-1578-1579-1580-1581-1582-1583-1584-1585-1586-1587-1588-1589-1590-1591-1592-1593-1594-1595-1596-1597-1598-1599-1600

५ अंश

०६५१५०

तमन्निहमाका

ॐ श्रीगणेशाय नमः

ॐ श्रीगणेशाय नमः

मितिप्रसाहः॥ नहि जानो वसहे याऊ म० वाजाहा १५
गुनसुनहवसाहिः॥ हुडमानावचन० मनाहिदय० संदाप
हादः॥ जाहगक तितचनानाजाकनमिनगुनसुनह
ग्याहिः॥ ॥ नाग॥ हिंसास॥ तात्रखऊमि॥ कानिका
द्विकवहनिद्वः॥ हनिऊसथफनमूषयूजासासा
गिनिहयः॥ दसहिता सता नोऊह निममखऊऊ
कानिकाः॥ ह— मिपतिपतिनिफ नलावाहाडुनगा
००॥ नक नहनकनः॥ इखविचधहनहा००० कानि
काः॥ ॥ १ नागविलाशत॥ मूहागीगसंगतन
गनगसागनेऊलाख॥ शिहेवनकेदनममानक

विष्णु - खननात्वा निधननिदमनविना कितधि
दूदसर्पनां खं ॥ १ ॥ ह्यतिनाथतनयनापति
नाकनऊनाखं ॥ शिखननाथनयनवैदितिक
नसैनाखं ॥ २ ॥ हवामानध
कोनजयाव तां वान्यसदृशुमं ॥ ३ ॥
ले ॥ ॥ हयननता हयम ॥ ४ ॥ उऊनका
कमनडाडायाधजाधिकषकाल : ॥ ५ ॥
डा - - ताडाडाग्यानकायमनन्य ॥ ॥
मकमिऊसथिनथसलिनअथिनः ऊनयाआ
ग्याडालनाडामडासमगककाः - - मायागा

२॥सिव अवेगान॥

गिक नना उं वगि श्रया उमन हिना उ॥ चो या उ
हस निर दका थ उा हित उा हा उा थ मया कतन ॥
॥ ३ ॥ अथि ॥ दका सानि नया गाया उा तिल हि न
खाया उा सिमाया चो स॥ उना उा या थ सकि या
उा गन सकि या उा गन सहा गा विल थ उा क स॥
अथि ॥ जन गजन मया क क धन स क न थ स गं न ना
म॥ झां क क या थ क क किय पाय गु नि वि दु न स न न कि
पा नि॥ अथि ॥ ॥ ०० ॥ १ ना ग क यि ना वि॥ अथ ॥ सिव
अवेगान नान का नन॥ हिम क हा वि न दू धिया इष
हन न॥ किच क क क अन गु स । यतन ऊ ऊ जा


 दिस्माकतथोवलववननंजस्त्रासंदनिखाखानकाठा
 उतमन वक्रुषवमठाउनिधूसासनंलाठाउ
 ।-जातिपूतिविकानघाधनं॥ ३ ॥ननसत्वकृप
 थसअतियकमनं॥ वयलिपनिसहिनाथानवह
 मिसथन॥ ४ ॥षठाउवसनरुवकाभिनिपागन
 ॥नयाउकृतवहनरुतवतावनगगुलिनगनव
 पानयायझाककन॥तावनयकमनंनिपाकि
 चवन॥ ६ ॥ * ॥नागव्याहागना॥तावषता॥
 इंदनआलिपितामकहि॥धू ॥हसपनसयनमा
 लेनागनआठठयऊउहनवसगठठय॥आपनि

३३३
 ३३३